

मोहनपुरा सचिाई परयोजना राष्ट्र को समर्पति

चर्चा में क्यों?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मध्यप्रदेश के रायगढ़ ज़िले में मोहनपुरा सचिाई परयोजना राष्ट्र को समर्पति की। यह परयोजना कृषिभूमि की सचिाई सुवधा के साथ-साथ इस क्षेत्र के गाँवों को पीने का पानी भी उपलब्ध कराएगी।

प्रमुख बिाि

- परयोजना की कुल लागत 3866.34 करोड़ रुपए है।
- इस परयोजना का निर्माण कार्य दसंबर 2014 में शुरू हुआ था। फरवरी 2018 में निर्माणार्ध से पहले इसे पूरा कर लिया गया।
- इस बांध में करीब 61.63 करोड़ घन मीटर जल भराव की क्षमता है। 456.50 मीटर लंबा और 77.50 मीटर की ऊँचाई वाला पक्का बांध बनाया गया है।
- इस बांध के निर्माण से करीब 1.34 लाख हेक्टेयर भूमि पर सचिाई की जा सकेगी।
- इस परयोजना से मध्यप्रदेश की राजगढ़ ज़िले के 727 ग्राम लाभान्वति होंगे। परयोजना के अंतर्गत उद्योगों और पेयजल के लिये 5-5 मिलियन घन मीटर पानी आरक्षति कया गया है।
- 17 गेट वाला यह बांध ज़िले का सबसे बड़ा और भोपाल संभाग का दूसरा सबसे बड़ा बांध है।

अन्य महत्त्वपूर्ण बिाि

- मोहनपुरा सचिाई परयोजना के साथ-साथ कई अन्य परयोजनाओं का भी उद्घाटन कया गया।
- प्रधानमंत्री ने स्वच्छ सर्वेक्षण (Swachh Survekshan), 2018 के विजितियों की भी प्रशंसा की।
- प्रधानमंत्री ने इंदौर के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में 'सूत्र सेवा' नामक राज्य सरकार की शहरी परिवहन योजना का भी उद्घाटन कया।
- यह कफायती बस सेवा 'सूत्र सेवा: एमपी की अपनी बस' (Sutra Seva; MP Ki Apni Bus) राज्य के 20 चयनित शहरों में पेश की जा रही है।
- शहरी विकास और आवास विभाग (Urban Development and Housing Department) नज़ी साझेदारी के माध्यम से अमृत योजना (Atal Mission for Rejuvenation and Urban Transformation - AMRUT) के तहत शहरों के अंदर और बाहर बस सेवा उपलब्ध कराई जाएगी।
- 'सूत्र सेवा' के पहले चरण में 127 बसें चार नगर पालिका शहरों- भोपाल, इंदौर, जबलपुर एवं छदिवाड़ा में और दो नगर पालिका कस्बों गुना व भंडि में चलाई जाएंगी।
- प्रधानमंत्री ने स्मार्ट सिटी मशिन के तहत इंदौर, भोपाल, जबलपुर, ग्वालियर और उज्जैन में 278.26 करोड़ रुपए की लागत से 23 विकास परयोजनाएँ भी राष्ट्र को समर्पति की।
- कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री ने 14 शहरी क्षेत्रों के लिये पेयजल योजनाओं का उद्घाटन कया। ये स्थान हैं: धरमपुरी नगर परिषद (धार ज़िला), रायसेन नगर परिषद, बेगमगंज, ओबेदुल्लागंज (Obaidullaganj), बेरसिया (भोपाल), अथनर (बेतूल), भावद (रतलाम), डडोरी, लखनादोन (सेनी), नरसहिपुर, सबलगढ़, बमर, पोर्सा (मुरैना) और बामौरी (शहडोल)।